न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी,टिब्बी
पीठासीन अधिकारी–मांगीलाल आर.ए.एस.
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धाराः–251 ए आरटीए
प्रकरण संख्याः–35/2018

1.विजयसिह, 2.सुभाष } पि0 मनफुल जाति कुम्हार निवासी कुलचन्द्र तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ। प्रार्थीगण

बनाम्

1.रामकुमार पुत्र मनफुल जाति कुम्हार निवासी कुलचन्द्र हाल आबाद गली नम्बर 9, रामदेव कॉलोनी, नजदीक सैक्टर नं0 17, श्रीगंगानगर तहसील व जिला श्रींगगानगर।

2.चन्द्रपाल पुत्र लाधुराम, 3.रामलाल पुत्र लाधुराम } जाति कुम्हार निवासी कुलचन्द्र तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ।

4.तहसीलदार राजस्व टिब्बी। अप्रार्थीगण

उपस्थित–श्री नरेन्द्रपाल वर्मा अधिवक्ता प्रार्थीगण
श्री महावीर प्रसाद वर्मा अधिवक्ता अप्रार्थीगण

निर्णय

दिनांक :– 09.12.2020

प्रार्थीगण विजयसिह आदि ने अप्रार्थीगण के विरूद्व यह प्रार्थना पत्र 251ए आरटीए के तहत इस न्यायालय में पेश किया कि प्रार्थी सं0 1 विजयसिह के नाम से चकनं0 8 सीडीआर के खाता सं0 124/106 प0न0 224/248 मु0 3 के किलानं0 25, प0न0 225/248 मु0 4 किलानं0 21 ता 24, प0न0 225/249 मु0 15 के किलानं0 1 कुल 1.518 है0 मय गै0मु0 कृर्षि भूमि एंव प्रार्थी सं0 2 सुभाष के नाम से चकनं0 8 सीडीआर के खातासं0 148/128 प0न0 224/248 मु0 3 के किलानं0 16, प0न0 225/248 मु0 4 किलानं0 17 ता 20 कुल 1.265 है0 कृर्षि भूमि दर्ज राजस्व रिकार्ड है। अप्रार्थी सं0 1 रामकुमार के नाम से चकनं0 8 सीडीआर के खातासं0 108/92 प0न0 224/248 मु0 3 किलानं0 1 ता 4 कुल .974 है0 कृर्षि भूमि तथा अप्रार्थी सं0 2 चन्द्रपाल के नाम से इसी चक के खाता सं0 37/33 प0न0 224/248 मु0 3 किलानं0 5,6,7, प0न0 225/248 मु0 4 किलानं0 1, 6 ता 10,13 ता 15 कुल 2.669 है0 एंव अप्रार्थी सं0 3 के नाम से इसी चक के खाता सं0 113/97 प0न0 224/248 मु0 3 के किलानं0 15, प0न0 225/248 मु0 4 किलानं0 11,12 कुल .949 है0 कृर्षि भूमि दर्ज राजस्व रिकार्ड है।

प्रार्थीगण को अपनी कृषि भूमि में आने जाने के लिए कोई रास्ता उपलब्ध नही है। वर्तमान में प्रार्थीगण प्रार्थना पत्र की दफा 3 में दर्ज चालू रास्ता से होते हुए अपनी कृषि भूमि में प्रवेश करते है उक्त चालू रास्ता के अलावा प्रार्थी को अपनी भूमि में आने जाने क लिए अन्य कोई रास्ता उपलब्ध नही है। प्रार्थीगण एंव अप्रार्थीगण के दादा एक ही थे जिनकी मृत्यू के पश्चात कृषि भूमि प्रार्थीगण एंव अप्रार्थीगण के पिता के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई।प्रार्थीगण एंव अप्रार्थीगण के पिता आपस में भाई थे जिन्होने अपने जीवनकाल में ही उक्त रास्ता बाबत आपस में घरू बटवारां करीब 30 वर्ष पूर्व कर लिया था। प्रार्थीगण प्रार्थना पत्र की दफा 3 मे दर्ज चालू रास्ता को राजस्व रिकार्ड में स्वीकृत करवाकर गै0मु0 रास्ता का अंकन करवाना चाहते है। प्रार्थीगण को अपनी भूमि में आने जाने के लिए अन्य कोई रास्ता उपलब्ध नही है।